भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2242
दिनांक 31 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

उत्तर प्रदेश में जन औषधि केंद्र

2242. श्री अनूप प्रधान वाल्मीकिः

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में आज तक स्वीकृत/संचालित जन औषधि केंद्रों की संख्या कितनी है;
(ख) क्या सरकार अवगत है कि उक्त जिले में इष्टतम से कम बिक्री, चिकित्सकों द्वारा पर्चे पर कम जेनेरिक दवाएं लिखने तथा समय पर दवाओं की आपूर्ति न होने जैसी समस्याओं के कारण कुछ जन औषधि केंद्र बंद हो गए हैं, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई जांच/समीक्षा की है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) जन औषधि केंद्रों का प्रभावी ढंग से संचालन, जेनेरिक दवाओं के संबंध में जागरूकता बढ़ाने तथा दवाओं की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अन्तर्गत, दिनांक 30.06.2026 की स्थिति के अनुसार उत्तर प्रदेश राज्य में कुल 4,226 जन औषधि केंद्र (जेएके) खोले गए हैं, जिनमें से 17 जेएके हाथरस जिले में खोले गए हैं।

(ख): जीं, हां। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में दिनांक 30.06.2026 तक 02 जन औषधि केंद्र गैर-कार्यात्मक हो गए हैं।

(ग): इस योजना की कार्यान्वयन एजेन्सी, भारतीय औषध और चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई), एक आईटी-सक्षम निगरानी प्रणाली के माध्यम से जन औषधि केंद्रों के कामकाज की लगातार निगरानी करता है, बिक्री और स्टॉक स्थिति की नियमित समीक्षा करता है।

इसके अलावा, पीएमबीआई का राज्य स्तरीय विपणन अधिकारी ऐसे जन औषधि केन्द्रों के साथ संपर्क स्थापित करता है जिनकी बिक्री कम है ताकि बिक्री को बढ़ाने में सहयोग प्रदान किया जा सके। पीएमबीआई जेएके का प्रबंधन करता है और कार्यशालाओं का आयोजन करता है, सफल जेएके मालिकों से सीख प्राप्त करता है और कम कार्यनिष्पादन करने वाले जेएके के लिए स्थानीय क्षेत्र के चिकित्सकों के साथ बैठक करता है।

(घ): जन औषधि केंद्रों के प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करने, जेनेरिक दवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने और औषधियों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने कई उपाय किए हैं। विवरण निम्नानुसार हैं:-

जनऔषधि केंद्रों के माध्यम से आपूर्ति की जाने वाली दवाओं की स्वीकार्यता को बढ़ावा देने और बिक्री बढ़ाने के लिए, जनऔषधि दवाओं के लाभों के बारे में लक्षित जागरूकता अभियान नियमित रूप से संचालित किए जाते हैं।

i. जागरूकता अभियान: भारतीय औषध एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई) केंद्रीय संचार ब्यूरो, पीआईबी, माईगॉव और माई भारत जैसे निकायों और प्लेटफार्मों के समन्वय से प्रिंट, टेलीविजन, रेडियो, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, आउटडोर होर्डिंग्स, सामुदायिक सहभागिता आदि जैसे विभिन्न माध्यमों से जागरूकता अभियान संचालित करता है।

ii. इंटरैक्टिव संदेश/कॉल: जनऔषधि उत्पादों की गुणवत्ता और निकटतम जेएके से इन्हें खरीदने पर होने वाली भारी बचत के बारे में नागरिकों को सूचित करने के लिए व्हाट्सएप चैटबॉट और आउटबाउंड कॉल के माध्यम से भी जागरूकता अभियान चलाया जाता है।

iii. जन औषधि सप्ताह: जन औषधि सप्ताह प्रत्येक वर्ष मार्च के पहले सप्ताह में मनाया जाता है, जिसके दौरान जन औषधि जेनेरिक दवाओं के लाभों के बारे में नागरिकों, स्वास्थ्य व्यवसायियों और अन्य हितधारकों को शिक्षित करने के लिए राष्ट्र भर में सार्वजनिक रैलियों, स्वास्थ्य शिविरों, फार्मेसी कॉलेजों में सेमिनारों, बच्चों की सहभागिता कार्यक्रमों आदि जैसे विशेष अभियान आयोजित किए जाते हैं।

iv. प्रख्यात व्यक्तियों के संदेश: जनऔषधि दवाओं के लाभों को उजागर करने और उनकी गुणवत्ता से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने के लिए जन प्रतिनिधियों और प्रख्यात चिकित्सकों जैसे सुप्रसिद्ध व्यक्तियों के ऑडियो/वीडियो संदेश सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर प्रसारित किए जाते हैं।

v. ग्रामीण क्षेत्रों में जन सहभागिता कार्यक्रम: नागरिकों को स्थानीय भाषाओं/बोलियों में शिक्षित करने के लिए, स्वास्थ्य शिविरों, नुक्कड़ नाटकों, सामान्य सेवा केंद्रों पर ऑडियोविजुअल प्रदर्शन और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय जेएके के सहयोग से जन सहभागिता कार्यशालाओं के माध्यम से भी प्रचार किया जाता है।

आपूर्ति में किसी भी कमी को दूर करने और जेएके में उत्पादों की सुचारू आपूर्ति और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:

(i) सितंबर 2024 से, योजना उत्पाद बास्केट में शीर्ष 100 बिक्री होने वाली दवाओं और बाजार में तेजी से बिक्री होने वाली 100 दवाओं सहित 200 सामान्य रूप से उपयोग की जाने वाली दवाओं का जेएके द्वारा स्टॉक रखे जाने को प्रोत्साहित किया गया है, जिसके तहत जेएके मालिक इन दवाओं के अपने द्वारा रखे गए स्टॉक के आधार पर मासिक प्रोत्साहन के पात्र हैं।

(ii) एक सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली को जोड़ने के लिए एक संपूर्ण सूचना-प्रौद्योगिकी-सक्षम आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली स्थापित की गई है, जिसमें पांच मालगोदाम और देश भर में वितरकों, जिनकी वर्तमान संख्या 42 है, का एक बढ़ता हुआ नेटवर्क शामिल है।

(iii) इसके अतिरिक्त, सामान्य रूप से उपयोग किए जाने वाले उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, योजना की कार्यान्वयन एजेन्सी भारतीय औषध एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई) द्वारा 400 तेजी से बिक्री होने वाले उत्पादों की नियमित निगरानी की जाती है और इनकी मांग का निरंतर पूर्वानुमान लगाया जाता है। साथ ही, खरीद प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए पूर्वानुमान पद्धति को डिजिटाइज़ करने के कदम उठाए गए हैं।

*****